ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS
321 Rookery Road, Handsworth
Birmingham B21 9PR
Tel : 0121 359 7727
enquiries@arya-samaj.org
www.arya-samaj.org
Charity Registration Number : 1156785

What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 41 | 02/2019-20 | MONTHLY | February 2019

Dates for your diary
(Festivals celebrated at Arya Samaj Bhavan)

Festival	Date	Time
Rishi Bodh Utsav	Sunday 3rd March 2019	11am – 1pm
Holi	Sunday 24th March 2019	11am – 1pm
Arya Samaj Foundation Day	Sunday 7th April 2019	11am – 1pm
Ram Navmi	Sunday 14th April 2019	11am-1pm

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727
Website - www.arya-samaj.org E-mail – enquiries@arya-samaj.org
Charity registration number 1156785

facebook https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj 3

May I gather Luster in my soul like Honey bees - By Mr Krishan Chopra 4

आर्य समाज एक परिचय-३ - आचार्य डॉ. उमेश यादव 6

Venue Hire Advert 9

आदरणीय श्री सत्य प्रकाश गुप्ता जी को हार्दिक श्रद्धाँजलि - आचार्य डॉ. उमेश यादव 10

गुरु माँ के स्वागत् में यू.के. में वैदिक यज्ञ (अग्निहोत्र): १८ नवम्बर २०१८ - विजय कुमार हर्फ़ 12

Matrimonial Service information 16

News (पारिवारिक समाचार) 17

New Building Refurbishment Fund 20

Yoga Classes & Indian Classical Dance 21

A Tribute to Shri Satya Prakash Gupta 22

For General and Matrimonial Enquiries
Please Ring
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727
E-mail- enquiries@arya-samaj.org

10 Principles of Arya Samaj

1. **God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**

2. **God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**

3. **Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**

4. **All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**

5. **All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**

6. **The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**

7. **All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**

8. **We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**

9. **One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**

10. **In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights.**

May I gather Luster in my soul like Honey bees

यथा मधु मधुकृत: संभरन्ति मधावधि । एवा मे अश्विना वर्च आत्मनि धियताम् ॥ अथर्ववेद ९.१.१६

Yatha madhu madhukrtah sambharanti madhavadhi l eva me asvina varca atmani dhriyatam ll

Atharvs Veda 9.1.16

Meaning in Text Order

Yatha = as
Madhu = honey
Madhukrtah = honey bees
Sambharanti = accumulates
Madhau – adhi = honey comb
Eva = this way
Me = mine
Asvina = vital breath
Varcah = luster
Atmani= in my soul
Dhriyatam = maintain.

Meaning

As the honey bees assemble honey in the honey comb, the same way, may the luster is maintained in my soul.

Contemplation

The honey bees sit on each flower of a garden drink the juice of the flower and collect that juice in honey comb. That juice is turned into honey and it makes our tongue sweet. Let us learn this art of collection from the honey bees. Let us collect sweetness in our life. Wherever in nature or in human behaviour, let us collect honey and make the honey comb like honey bees. As the honey bees collect the sweetness from the flowers not the sourness, let us collect sweetness from our surrounding not the bitterness. Let us enjoy the luster of sweetness.

Beside this luster of sweetness there is another luster that is luster of resplendent. As the honey bees collect the honey in the honey comb, may I collect the resplendent in my soul.

These **asvinau** which is mentioned in the mantra are sun and moon are the representatives in the field of nature. The same way in our body, the breathing in and breathing out (vital forces - **pran** and **apan** are the representatives of luster. In sun there is luster of resplendent and in moon; there is luster of coolness and sweetness. Let they fill my soul with luster and resplendent. The vital forces are life. May they provide luster in my life.

May my soul become honey comb of sweetness and luster, In which multiple type of qualities assemble As the honey comes out of honey comb, the same way sweetness come out of me which give peace, love and sweet ness to others.

By Mr Krishan Chopra

आर्य समाज एक परिचय-३

आचार्य डॉ. उमेश यादव

आर्य समाज के आवश्यक व्यावहारिक सिद्धान्त

मानव और ईश्वर

मानव अल्पज्ञ है। परमात्मा /ईश्वर सर्वज्ञ है । मानव को कर्म करने की स्वतन्त्रता दी गयी है पर मनुष्य अपनी अल्पज्ञता के कारण भूल कर सकता है । इसके लिये परमात्मा ने दयापूर्वक मनुष्यों को प्रारम्भ में ही सर्व सत्य वेद ज्ञान दे दिया है ताकि मनुष्य उसका सहारा लेकर अपने भूलों को परिमार्जित कर सकता है । जीवन में कम से कम भूल हो जायेगी और मनुष्य इस प्रकार अपने मानव-जीवन के उत्कर्ष को प्राप्त कर ईश्वर के सानिध्य को प्राप्त हो सकता है । ईश्वरीय वेद ज्ञान पर आश्रित होकर मनुष्य जब अपना व्यवहार करता है तब वह सत्य के करीब होता है और इतना ही नहीं, सत्य को ग्रहण करने हेतु सदा उद्यत भी रहता है । आर्य समाज के १० नियमों में भी दो नियम ऐसे ही मनुष्य को प्रेरित कर रहे हैं । सत्य के ग्रहण करने और असत्य के छोड़ने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिये- चौथा नियम तथा अविद्या का नाश और विद्या की वृद्धि करनी चाहिये- ८वाँ नियम । इन दोनों नियमों के पालन करने से ही मनुष्य सतत् पवित्रता के साथ आगे बढ़ता है और इस प्रकार सफल जीवन जीकर आनन्द को प्राप्त होता है । जीवन में भी दुःख कम और सुख अधिक बढ़ने लगता है ।

वेद भाष्य

आर्य समाज मानता है कि वेद सब सत्य विद्याओं की पुस्तक है अत: वेद का पढ़ना-पढ़ाना सब आर्यों का परम धर्म है । अन्य कोई भी ग्रन्थ जो वेदानुकुल हो, वह व्यावहारिक प्रमाण की कोटि में स्वीकृत है । आर्य समाज महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत वेद भाष्य को मान्यता देता है न कि सायण आदि कृत भाष्यों को ।

मूर्ति पूजा विरुद्ध

आर्य समाज मानता है कि ईश्वर सच्चिदानन्दस्वरुप, न्यायकारी, दयालु आदि-२ रा नियम के अनुसार गुण-कर्म-स्वभाव वाला है जो प्रत्येक कल्प में वेद द्वारा पवित्र ज्ञान का प्रकाशक एवं मानव मात्र का उपास्य है । वह निराकार पूर्ण ब्रह्म होने के कारण सीधा उपासना के योग्य है न कि जड़ प्रकृति व ज्ञानरहित मूर्तियों की पूजा द्वारा । अत: आर्य समाज इस प्रकार जड़ मूर्ति-पूजा को सर्वथा त्याज्य तथा वेद विरुद्ध मानता है । संसार चलाने के लिये सर्वव्यापक, सर्वशक्तिमान, सर्वेश्वर व सर्वज्ञ परमेश्वर को किसी खास मूर्ति में अवतरित होने की जरुरत नहीं है । वह पूर्व से ही सर्वत्र व्याप्त है और सबके बारे में सब कुछ जानता है ।

जीवित माता-पिता की सेवा-पित्रृ -यज्ञ

पंच महायज्ञों में एक पित्रृ यज्ञ है जो जीवित माता-पिता या कोई भी परिवार के सदस्य की सेवा की व्याख्या करता है । मरे हुये पितरों के नाम पर श्राद्ध-तर्पण आदि करना अज्ञानता व वेद विरुद्ध है । गया, हरिद्वार,

काशी, प्रयाग आदि स्थानों जाकर मृत पितरों के नाम किसी भी प्रकार का श्राद्ध व तर्पण-विधि अमान्य है ।

तीन अनादि तत्त्व

ईश्वर, जीव, प्रकृति ये तीन अलग-अलग नित्य अनादि तत्त्व/ पदार्थ हैं । सृष्टि भी प्रवाह से नित्य पर अपनी स्व अवस्था में अनित्य है । अर्थात् प्रकृति से सृष्टि और सृष्टि से प्रकृति यह प्रवाह चलता रहता है । अत: प्रवाह रुप में ये दोनों नित्य व अनादि हैं पर सृष्टि अपनी अवस्था काल में परिवर्त्तनशील होने के कारण अनित्य है । वैसे ही प्राणियों के शरीर भी अनित्य व परिवर्त्तनशील है । मूल रुप जीव, ईश्वर व प्रकृति नित्य, अनादि व अमर है । ये तीनों तत्त्व सदैव बने रहते हैं । सृष्टि की उत्पत्ति का ईश्वर निमित्त कारण है, प्रकृति उपादान कारण है और जीवात्मा सधारण कारण है । अर्थात् सृष्टि ईश्वर द्वारा प्रकृति से जीवात्माओं के भोगार्थ निर्मित है । अद्वैतवाद का सिद्धान्त आर्यसमाज वेदविरुद्ध मानता है ।

वर्ण-व्यवस्था

आर्य समाज वर्ण-व्यवस्था गुण-कर्म-स्वभाव पर आधारित मानता है न कि जन्म से । जन्म से सब शूद्र ही होते हैं, शिक्षा, विद्या व सद्विचार व संस्कार से ही सबके जीवन में उन्नत्ति होती है । यह व्यक्तिगत विचार व संस्कार पर निर्भर करता है । गुण-कर्म-स्वभाव से उत्तम होने पर शूद्र की संतान भी ब्राह्मण और विद्याविहीन, संस्कारहीन व नीच आचरण वाला ब्राह्मण की संतान भी शूद्र वत् मान्य होगी । निश्चित रुप से यह वैयक्तिक विचार उत्तम बनाने की एक अद्भुत पद्धति है ।

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Newly Refurbished Venue Hire

Our new home at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR has been newly refurbished and is the perfect venue for you to hire for all your events.

<u>Venue Information</u>:

- **Main Banqueting Hall Seating up to 300+ guests**
- **Function/Dining Hall With Stage**
- **Yajna Shala (Havan Room)**
- **Kitchen Facilities**
- **On site cleaner**
- **Parking for events**
- **Hindu Priest Service**

Our venue is perfect for Weddings, Engagements, Anniversaries, Birthdays for all ages, Religious Ceremonies, Community Events, Family Parties, Meetings, Wakes and all other functions.

For more informatiom or viewings please call us on
0121 359 7727
Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm
Bank Holidays – Closed

- **Excellent rates – Vegetarian ONLY – No Alcohol**

ओ३म्

<u>आदरणीय श्री सत्य प्रकाश गुप्ता जी को हार्दिक श्रद्धाँजलि : २०.०१.२०१९</u>

यह जानकर अत्यन्त दु:ख हुआ कि आदरणीय सत्य प्रकाश गुप्ता जी हमें छोड़ कर चले गये । १० जनवरी २०१९ को १० बजे उन्होंने अपना पार्थिव शरीर त्यागा । परिवार, समाज व मित्रों के लिये निसंदेह यह असह्य दु:ख है पर विधि के विधान को कोई टाल नहीं सकता । यह अत्यन्त कटु सत्य है जिसे हमें स्वीकार करना ही होगा ।

श्रद्धेय सत्य प्रकाश गुप्ता जी एक विशेष व्यक्ति थे । सबका ख्याल रखने वाले, प्रिय मनमोहक स्वभाव, उदारमना, दानी, कविह्रदय, सदा सक्रिय व एक पूर्ण सफल इन्सान थे । सबसे मिलने की भावना व प्यार की सुगन्धि तो उनके रोम-रोम में कुट-कुट कर भरी हुई थी । वैदिक शिक्षा व संस्कारों के धनी थे और अपनी प्यारी धर्मपत्नी के संग जुड़ कर तो आर्य समाज के दीवाने बन गये थे । परिणामत: परिवार का हर सदस्य आर्य समाज वैदिक मिशन वेस्टमिड्लैंड्स का सदस्य बनकर समाज की सेवा में जुड़ा । आपकी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती संजोगिता /संजू गुप्ता पूर्णत: आर्य परिवार से संस्कारित थीं, उनका सम्पर्क इस परिवार का पारसमणि पत्थर बना और आर्य व वैदिक संस्कारों से यह परिवार सोने की तरह जगमगाने लगा । आपके अनुज भ्राता आदरणीय स्व. बृज भूषण शरण अगरवाल व उनका सब परिवार जो सब आपके ह्रदय के टुकड़े हैं, आपकी ही प्रेरणा से सभी आर्यसमाज से सीधा जुड़कर समाज की सेवा करते रहे और करते रहेंगे; मुझे पूर्ण विश्वास है । बेटी स्मिता भी अपने माता-पिता की एक अत्यन्त लाडली व संस्कारित सुपुत्री है । अपने घर में भी माता-पिता के दिये संस्कारों को अपने पति व वच्चों में बाँटती है । सासु माँ व स्वसुर पिता का ख्याल रखती है । परमात्मा इसमें यह गुण सदैव बनाये रखे । यह परिवार में सबकी ही प्यारी है ।

मान्य गुप्ता जी ने आर्य समाज के कई पदों पर काम किया । आर्य समाज से

लगाव तो ऐसा था कि जब इनका दोता पारस का जन्म हुआ तब उसको इन्होंने तभी आर्यसमाज का आजीवन सदस्य बनाकर उसे संस्कारित किया । जब-जब भी वे आर्य समाज आते थे तब-तब कुछ न कुछ आर्य समाज को दान अवश्य देते थे । १३ वर्षों से तो मैं भी उन्हे देख रहा हूँ । निसंदेह मुझे भी वे बहुत प्यार करते थे ।

ऐसा महान् पुरुष अब हमारे वीच नहीं है । हमें हमेशा उनकी कमी खलेगी । परिवार, मित्र, सम्बन्धि सबको व आर्य समाज को भी ।

आर्य समाज वेस्टमिड्लैंड्स के धर्माचार्य होने के नाते मैं परिवार से सीधा जुड़े रहने का सौभाग्य समझता हूँ और मान्य गुप्ता जी की पवित्र आत्मा को परम शाँति मिले; एतदर्थ परमपिता परमात्मा से श्रद्धाँजलिपूर्ण हार्दिक प्रार्थना करता हूँ । मुझे पूर्ण आशा व विश्वास है कि प्रिय बेटी स्मिता व सब परिवार उनके जीवन की गरिमा को अपने व्यवहारों में उतारकर सारे जहां में और बढ़ायेंगे ।

आप वेशक गये हैं पर हमारे दिल से नहीं गये हैं ,
अपने प्यार व मुस्कान से हमें जगायेंगे हरदम,
कभी ख्याल से नहीं गये हैं ।

यही दुआ है उमेश की सदा,
नयी दुनियाँ में भी जाकर, वैदिक सुगन्धि फैलायेंगे,
संस्कार से नहीं गये हैं ।

इन्हीं शब्दों के साथ

परिवार के साथ सहानुभूतिपूर्ण

आचार्य डॉ. उमेश यादव, धर्माचार्य, आर्य समाज वेस्टमिड्लैंड्स बर्मिंघम व समस्त बोर्ड ऑफ ट्रुस्ट

ओ३म्

गुरु माँ के स्वागत् में यू.के. में वैदिक यज्ञ (अग्निहोत्र): १८ नवम्बर २०१८

बहुत ही हर्ष के साथ सभी श्रद्धालु लोगों को बताया जा रहा है कि देश-विदेश में घूम-घूम कर आध्यात्मिक चेतना जगाने वाली गुरु माँ स्वर्ण देवा जी तथा छोटी माता सीते जी का यू.के. के कई परिवारों में स्वागत् किया गया जिसके सूत्रधार बर्मिंघम निवासी श्री विजय कुमार हर्फ़ एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती वीणा देवी बने । श्री विजय कुमार हर्फ़ आर्य समाज वेस्टमिड्लैंड्स के साथ भी जुड़े हुये हैं, इस कारण उन्होंने गुरु माँ स्वर्णा देवा जी एवं माता सीते जी को आर्य समाज भी दिखाया एवं १८ नवम्बर २०१८ रविवार सायं भजन संध्या व वैदिक यज्ञ का भी आयोजन किया ।

कार्यक्रम की झलकियाँ इस प्रकार रहीं

सर्वप्रथम उन्हें आर्य समाज की पवित्र यज्ञशाला में स्वागत् पूर्वक बैठाया गया । ईंग्लैंड में बस रहीं मोरों दरबार, की संगत की ओर से इन दोनों आध्यात्मिक चेतना से पूर्ण दोनों संन्यासी विभूतियों के सम्मान में आचार्य डॉ. उमेश जी के ब्रह्मत्व में वैदिक यज्ञ /अग्निहोत्र का आयोजन हुआ । आर्य संस्कृति व वैदिक परम्परा के अनुसार यज्ञ के माध्यम से आचार्य श्री ने गुरु माँ का हार्दिक स्वागत् किया । इस पावन यज्ञ का यजमान पद सेवादार श्री विजय कुमार हर्फ़ व श्रीमती वीणा देवी द्वारा सुशोभित हुआ । उपस्थित अन्य श्रद्धालु संगत ने भी अत्यन्त खुशियों के साथ आहुतियाँ समर्पित की ।

आर्य समाज वेस्टमिड्लैंड्स यू. के. के बर्मिंघम हैंड्सवर्थ क्षेत्र ३२१ रूकरी रोड बी २१, ९ पी आर स्थान पर स्थित है । यह आर्य समाज लगभग एक एकड़ जमीन में निर्मित है जहाँ स्वामी श्रद्धानन्द व महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर दो बड़े हॉल हैं जहाँ बड़े-बड़े सत्संग व आर्य मर्यादानुरुप कार्यक्रम होते रहते हैं । यहाँ अपनी एक मनोहर यज्ञशाला भी है जहाँ यज्ञ व सत्संग हर रविवार को होते हैं । यह बताना आवश्यक होगा कि दोनों धार्मिक योगिनियों व संगत के प्रति आदर भाव रखते हुये १८ नवम्बर २०१८ के आयोजित यज्ञ व सत्संग को यहाँ के प्रतिष्ठित मिनिस्टर ऑफ रेलिजन आदरणीय आचार्य उमेश जी ने पूरा वैदिक रंग मे रंग कर उपस्थित संगत को वैदिक मर्यादा, अग्निहोत्र-महत्त्व, आर्य संस्कृति आदि विषयों को उभारते हुये सटीक व सार्थक वैदिक ज्ञान रुपी अमृत बाँटा जिससे सब अत्यन्त प्रसन्न व आनन्दित हुये । आचार्य श्री ने आध्यात्मिक स्व रचित मनोहर भजन भी गाये जिसमें गुरु माँ समेत सब संगत झूम उठे । सचमुच अत्यन्त मनोहर व आह्लादिक वातावरण उभरा और आचार्य उमेश जी की वैदिक प्रेरणा से सब खूब लाभान्वित हुये । उम्मीद है कि ऐसा कार्यक्रम भविष्य में भी होता रहेगा ।

उल्लेखनीय है कि गुरु माँ स्वर्णा देवा जी व माता सीते जी के यहाँ पधारने पर पहले पुष्प-वर्षा व ढोल-नगाडों के साथ स्वागत् किया गया था । रीबन भी उन्हीं से कटवाया गया था और उनका स्वागत् इस प्रकार पूरे पंजाबी परम्परा के अनुसार ढोल के थाप पर भँगड़ा डालते हुये सबने अपनी खुशियाँ जाहिर कीं ।

यह कार्यक्रम क्योंकि दीपावली के शुभावसर पर किया गया था अत: ज्ञान व रौशनी का प्रतीक यह पर्व भी उस दिन धूमधाम से सबने मनाया ।

संगत द्वारा “यह शाम माँ के नाम” घोषित करते हुये प्रसिद्ध गायिका जसविन्दर जस्सी द्वारा “ महाँमाई की महिमा”, गायक अमित जी द्वारा “ गणेश-वन्दना और सेवादार विजय कुमार हर्फ़ द्वारा एक बड़ा ही मनभावन भजन गाया गया जिसका बोल है- “ सारे तीरथ धाम आपके चरणों में, हे गुरुदेव प्रणाम आपके चरणों में ” । विजय कुमार हर्फ़ ने “गुरु महिमा” पर सुन्दर विचार भी प्रस्तुत किया ।

विशेष हस्तियों की उपस्थिति

इस अवसर पर वेस्टमिड्लैंड्स के पुलिस-अधिकारी श्री रमेश शर्मा, कारोबारी श्री टी.एल. सभरवाल (बर्मिंघम), सुरजीत सिंह पड्डा, शिंदा राम, गड्डु, श्रीमती लक्ष्मी शर्मा, जस (कैनोक) , सत्पाल चाना, हरदीप, कृशना गड्डु, पूजा शर्मा, धनसुख राणा, श्रीमती शाँति यादव, राज (वुल्बरहैंप्टन), तेजा जी (लेस्टर) और इस प्रकार विभिन्न शहरों से सारी संगत उपस्थित हुई । सबके लिये “ ऋषि-लंगर का भी प्रबन्ध किया गया । सबने प्यार से न केवल गुरु माँ का आशीर्वाद लिया बल्कि ऋषि-लंगर का भी पूरा आनन्द लिया । अन्त में खुशी-खुशी सबने विदा ली ।

मोरों दरबार के जयघोषों के साथ गूँज उठा महौल और वैदिक शाँति-पाठ के साथ सब कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा गुरु माँ स्वर्णा देवा तथा आचार्य उमेश द्वारा सबके वीच की गयी । सच में प्रेरणायुक्त कार्य क्रम रहा । गुरु माँ भी आर्य समाज के शुद्ध वैदिक ज्ञान से प्रभावित हुयीं और आचार्य उमेश जी को भारत पंजाब में पधारने का निवेदन भी किया । अस्तु । ओ३म् शम् ।

नोट- आकर्षण विन्दु

१. ईग्लैंड में गुरुमाँ के सम्मान में देवयज्ञ/अग्निहोत्र

२. वेदों के शुद्ध ज्ञान व वैदिक ऋषियों के उपदेश-ज्ञान से जुड़ने की प्रेरणा

३.गुरु महिमा की वैदिक प्रस्तुति- सारे तीरथधाम आपके चरणों में, हे गुरुदेव प्रणाम आपके चरणों में ।

४. मोरों दरबार की रौणक-जयघोष

Matrimonial Service

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

Changes we have made in 2018:

Website:-

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.

- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

Matrimonial Service:-

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.

- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.

- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.

- **Now on facebook -**
  https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/

News

Get Well Soon:

- Mr Vishwa Nath Bhandari, ex-Vice President of Arya Samaj West Midlands year 2001-2003 is recovering in Gracewell of Edgbaston Care Home, Speedwell Road, Edgbaston, Birmingham, B5 7PR and telephone number 0121 796 0796. We all wish him a speedy recovery.
- Mrs Deepika Datta is on waiting list for a kidney transplant. We wish her to get better soon.

Condolence:

- Mrs. Smita and Mr. Arun Mehra & family – for the loss of their beloved father Mr. Satya Prakash Gupta (85) on 10th January 2019. He was life member of Arya Samaj West Midlands, Birmingham. May God grant the departed soul eternal peace and give strength to the family - members, relatives and friends to bear the time of sorrow.

Congratulations:

- Mr Monish & Claire Malhotra for the celebrations for the 1st Birthday of their daughter Mirica, Granddaugther of Mr Harish & Gagan Malhotra. Wishing Mirica a happy & healthy life.
- Mr. M.M. Sharma and family - for Mundan Sanskar of grand daughter Avani daughter of Mr. Gaurav & Amenda Sharma. Wishing Avani a happy & healthy life.
- Mr. Vikas Bali & family - for New Year celebration havan at home. Wishing them a happy & healthy life.

Sponsors (Yajman):

- Mr J.P. Sethi and Mrs Santosh Sethi with family – for yajman on 27.01.2019 for celebration of Republic Day of India.
- Dr. P.D. Gupta and family - for yajman on 30.12.2018 for thanking God for happiness and all good feeling in 2018 in their family. Wishing them the same for New Year 2019.

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences on different occasions or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.

Donations:

- Late Mr S.P. Gupta £30
- Master Parus Mehra £50
- Mrs Krishna Agarwal £100
- Mrs Minu Agarwal with Rishi Langar £325
- Mr Inderjit Marwah £11
- Dr. P.D. Gupta with Rishi Langar £225
- Dr. P.D. Gupta £21
- Mr. Inderjit Marwah £50
- Mrs. S & Mr. Vishwanath Bhandari £50
- Mrs. Kanti Bajaj & family £101
- Mr. J.P Sethi £31
- Mr. V.P. Rawal £50
- Mrs. Nirmal Ghai £100
- Mrs. Gargi Khosla £100
- Mr. Chanakya Arya £21
- Dr. (Mrs.) Smita & Arun Mehra with Rishi Langar £900
- Mr J.P. Sethi with Rishi Langar £301

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- Mr. Madan Mohan Sharma £51
- Mr. Vikas Bali £51
- Mr. S. Dhawan £50

Thank you for all your Donations!

Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on 0121 359 7727 for more information on

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**

- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**

- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**

- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**

- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 3rd March 2019 & 7th April 2019.**

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

E-mail- enquiries@arya-samaj.org
Website: www.arya-samaj.org

New Building Refurbishment Fund

In month of December 2018 & January 2019 following people have donated...

NAME	DONATION
NEW DONATIONS:-	
Mrs Nirmal Devi Prinja	**£51**
Dr. A.K. Narula	**£100**
Mrs. S & Mr. Vishwanath Bhandari	**£1000**
Mr Monish & Mrs Claire & Mirica Malhotra	**£1101**

TOTAL SO FAR - £57192.15

Thank you!

Haven't Donated Yet ????

Those of you who would like to donate money to "Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands" New building fund please do so now!!!

Your help is highly appreciated.

By cheque - Payable to 'Arya Samaj West Midlands' and send back to us at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR

or

Bank Transfer – The Co-operative Bank
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
Account number – 65839135 Sort Code – 08.92.99

Work carried out in the month of January 2019.

- **Water emptied from basement & pipe work.**

YOGA CLASSES

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands YOGA and MEDITATION Lessons for young children.

Where: - Arya Samaj (Vedic Mission) 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

When: - Every Tuesday – Starting on Tueday 3rd July 2018.

Time: - 5pm – 6pm.

Our learned, trained and qualified Yoga teacher Acharya Dr. Umesh Yadav ji will provide these lessons.

Parents and grandparents with young children who would like some more information about these sessions please get in touch with our Arya Samaj by phoning on 0121 3597727 or email on enquiries@arya-samaj.org.

INDIAN CLASSICAL DANCE

WE ARE VERY SOON GOING TO START INDIAN CLASSICAL DANCE LESSONS BY A QUALIFIED INDIAN TEACHER AT OUR ARYA SAMAJ PREMISES.

THOSE OF YOU WHO ARE INTERESTED PLEASE PHONE OR EMAIL TO US TO REGISTER YOURSELF.

Tel - 0121 359 7727

E-mail – enquiries@arya-samaj.org

A Tribute to Shri Satya Prakash Gupta

I knew Shri Satya Prakash Gupta ji since year 1992. He told me very clearly that Sanju ji made him follower of Arya Samaj. He was grateful to Sanju ji for this.

Gupta ji helped me as my treasurer when I was President in year 2000 to 2004. He did his work with full devotion to Arya Samaj. If there was any shortage of money when he did final accounts for AGM Meeting he would put his own money to balance the books. I wonder how many treasurers will do this kind of things!

Gupta ji helped our Arya Samaj physically and financially, in all big functions of our Arya Samaj like Matrimonial get togethers, Charity Dinners, Gayatri Maha Yajna and Diwali celebrations.

Gupta ji always used to reassure and support me in all kinds of situations in our Arya Samaj. He was like my elder brother. I used to talk and consult him on a regular basis. He was always there whenever I needed him.

He regularly attended our meetings with HS2 in years 2012 to 2014 due to Compulsory Purchase Order from Government of UK. Gupta ji was very pleased when we bought Trinity Methodist Church in year 2017 as new headquarter of our Arya Samaj.

In less than a year we have lost four pillars of our Arya Samaj.

On a personal note - In year 2002 Shri Gupta ji, Mr. Varinder Bahl, Dr. Murli Agarwal and I took group lessons in playing ‘Tabla’ every Saturday afternoon in Arya Samaj. It lasted for 2 to 3 months. Since then Gupta ji and I talked about how to restart it again.

Satya Parkash Gupta Ji was a generous, supportive and loved member of our Arya Samaj. He noticed other people's contributions and showed appreciation to them. His commitment to Arya Samaj goes beyond words. He contributed to our monthly Aryan voice on a regular basis and continued to do so to the end of his life.

He was very close to his brother Mr. Brij Bhushan Aggarwal Ji and was very much saddened at losing him. He was already dealing with the loss of his wife when this tragedy struck him. We got to know him even more deeply through his poetry and articles written about his personal feelings about memories and life situations i.e. his visit to his childhood home in India and life without Sanju ji etc.

He was also a talented Artist. He painted a portrait of Maharishi Daya Nand Saraswati for Arya Samaj which now hangs in our Yajyashala. This was an expression of his respect for our Founder and his principles. Satya Parkash Gupta Ji will always remain in our thoughts.

I request to young generations of Gupta ji and Brij Agarwal ji's family to continue their support to Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands.

The death of Shri Satya Prakash Gupta ji is an enormous loss of Arya Samaj West Midlands.

We pray to Almighty God to rest his soul in peace and give enough.strenght to his family members to bear this loss.

OM SHANTI.

Dr. Narendra Kumar & Trustees
Chairman
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands